

Roll No.

MAMV-05/MAMI-05/MAM-201

संगीतशास्त्र

एम. ए. संगीत-गायन/स्वर वाद्य (एम.ए.एम.बी/एम.ए.एम.आई.

-11/12)

द्वितीय वर्ष, परीक्षा, 2017

Time : 3 Hours

Max. Marks : 60

Note : This paper is of **sixty (60)** marks containing **three (03)** sections A, B and C. Learners are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Section-A / खण्ड-क

(Long Answer Type Questions) / (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

Note : Section 'A' contains four (04) long answer type questions of fifteen (15) marks each. Learners are required to answer *two* (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. What was the status of music in the time of Mahabharata ? Write in detail.
महाभारत काल में संगीत की क्या स्थिति थी ? विस्तार से लिखिये।
2. Write in detail about the Granth “Sangeet Ratnakar”.
“संगीत रत्नाकर” ग्रंथ के विषय में विस्तार से लिखिये।
3. Write in detail about “Dhrupad Gayan”, its origin and development.
“ध्रुपद गायन” एवं उसकी उत्पत्ति व विकास के सम्बन्ध में विस्तार से लिखिये।
4. Describe the classical music and folk music in detail.
शास्त्रीय संगीत एवं लोक संगीत का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये।

Section-B / खण्ड-ख

(Short Answer Type Questions) / (लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Section ‘B’ contains eight (08) short answer type questions of five (05) marks each. Learners are required to answer *four* (04) questions only.

नोट : खण्ड ‘ख’ में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Write in brief about “South Indian” Music.
“दक्षिण भारतीय” संगीत के विषय में संक्षेप में लिखिये।

2. Describe “Alap” and its types.
“आलाप” एवं इसके प्रकारों का वर्णन कीजिये।
3. Describe the status of period of “Ramayana.”
“रामायण” काल में संगीत की स्थिति का वर्णन कीजिये।
4. Explain the “Taan” and its types in brief.
“तान” एवं इसके प्रकारों को संक्षेप में समझाइये।
5. Write in brief about Indian “Swar Saptak.”
भारतीय “स्वर सप्तक” के विषय में संक्षेप में लिखिये।
6. Write a short note on “Thumari Gayan.”
“ठुमरी गायन” पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।
7. Explain the “Swar Sthana” according to Pt. Srinivas in brief.
पंडित श्रीनिवास के अनुसार “स्वर स्थान” को संक्षेप में लिखिये।
8. Write a short note on the topic “Lok Sangeet of Uttarakhand”.
“उत्तराखण्ड का लोक संगीत” विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Section–C / खण्ड—ग

(Objective Type Questions) / (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Note : Section ‘C’ contains ten (10) objective type questions of one (01) mark each. All the questions of this section are compulsory.

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Write True/False :

सत्य असत्य लिखिए :

1. Dhrupad Gayan was invented by Amir Khan. (True/False)
ध्रुपद गायन का आविष्कार आमीर ख़ाँ ने किया। (सत्य/असत्य)
2. Girija Devi is a famous Khayal singer. (True/False)
गिरिजा देवी एक प्रसिद्ध खयाल गायिका हैं। (सत्य/असत्य)
3. Pt. Bhatkhande established all Swars to their first Shruti. (True/False)
पं. भातखण्डे ने सभी स्वरों को उनकी प्रथम श्रुति पर स्थापित किया है। (सत्य/असत्य)
4. Kaishik Nishad is established on Thrid Shruti is "Sangeet Ratnakar." (True/False)
संगीत रत्नाकर के कैशिक निषाद तृतीय श्रुति पर स्थापित किया गया है। (सत्य/असत्य)
5. North India's "Thumari Gayan" is equivalent to South India's "Jawali." (True/False)
उत्तर भारतीय "ठुमरी गायन", दक्षिण भारत "जावलि" के समान है। (सत्य/असत्य)

Fill in the blanks :

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये :

6. Pt. Srinivas is the author of Granth.
..... ग्रंथ के लेखक पंडित श्रीनिवास हैं।

7. North Indian Thaata is equivalent to South Indian Mel "Meekalyani."

उत्तर भारतीय थाट, दक्षिण भारतीय मेल "मेच कल्याणी" के समान है।

8. "Sangeet Ratnakar" was written in century.

"संगीत रत्नाकर" शताब्दी में लिखा गया था।

9. word is used for music in the period of Ramayana.

रामायण काल में संगीत के लिये शब्द का प्रयोग किया गया है।

10. The Carnatic "Mel System" was invented by

कर्नाटक "मेल पद्धति" का आविष्कारक ने किया।